STATE LEVEL SSLC PREPARATORY EXAMINATION
FEBRUARY 2022
THIRD LANAGUAGE HINDI MODEL KEY ANSWERS

1	C) अविश्वास
2	D) श्रीमती
3	B) पुस्तकें
4	B) दिखाना
5	A) वृद्धि
6	C) द्वंद्व
7	C) प्रश्नवाचक
8	A) का
9	वरदान
10	व्यंग्य रचना
11	बिछेंद्री पाल
12	यशोदा
13	लेखक प्रेमचंद जी को दुकान पर रंगदार, गुलाबी सेब सजे हुए नज़र आये।
14	ब्रीफकेस में कागजात थे।
15	मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता और उतरता है।
16	तुलसीदास के अनुसार मुखिया को मुहँ (मुख) के समान होना चाहिए।
17	दूकानदार ने लेखक से कहा बाबूजी, बड़े मज़ेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।
18	इंटरनेट से व्यापार में - घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। इससे दूकान जाने और

	लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बचता है। इंटरनेट से बैंकिंग में – दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।
19	अब्दुल कलाम जी के पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी ऐशो – आरामवाली चीज़ों से दूर रहा करते थे। पर घर में सभी आवश्यक चीज़ें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं। इस प्रकार अब्दुल कलामजी का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।
20	कर्नाटक के प्रमुख नदियों पर बाँध बाँधे गये हैं। इनसे हज़ारों एकड़ ज़मीन सींची जाती है। इन नदियों के जलाशयों की सहायता से ऊर्जा उत्पादन केंद्र स्थापित किए गये हैं। जिनसे राज्य को ऊर्जा प्राप्त होती है।
21	कृष्ण अपनी माता से शिकायत करता है कि बलराम मुझे काला कहकर पुकारता है। मुझे मोल लिया है ऐसा कहता है। सब ग्वाल मित्र मेरे ऊपर चुटकी दे-देकर हँसते हैं, बलराम ने उन्हें ऐसा करना सिखाया है।
22	दिनकरजी के अनुसार मानव-मानव के बीच प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपसी दूरी को मिटाए, वही मानव कहलाने का अधिकारी है। ऐसा करने से ही मानव, मानव बन सकता है। यही मानव का सही परिचय है।
23	शनि का वायुमंडल हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन और एमोनिया गैसों से बना हुआ है। **अथवा** टाइटन शनि ग्रह का सबसे बड़ा उपग्रह है। वह सौरमंडल का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और दिलचस्प उपग्रह है। टाइटन की सतह पर अंतरिक्ष यान को उतारा जा सकता है।
24	सत्य का स्वरुप कितना सरल ! दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है, आत्मा की वाणी है। **अथवा** शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका ऐसे बताया गया है - "सत्यं ब्रूयात्, प्रियं ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यमप्रियम"। अर्थात ,सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।
25	• गिल्लू स्वयं हिलाकर अपने घर में झूलता और अपनी काँच के मनकों-सी आँखों से कमरे के भीतर और खिड़की से बाहर न जाने क्या देखता-समझता रहता था। • भूख लगने पर चिक-चिक करके मानों वह वर्माजी को सूचना देता और काजू या बिस्कुट मिल जाने पर अपने पंजों से उसे कुतरता रहता। उसकी समझदारी और कार्य-कलाप से सबको आश्चर्य होता था • वर्मा जी को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था। • लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे उठा न ले।

	• लेखिका के थाली के पास बैठकर बड़ी सफाई से एक-एक चावल उठाकए खातआ रहता। • लेखिका के अस्वस्थता मे सिरहाने बैठकर अपने नन्हे-नन्हे पंजो से उनके सिर और बालों को हौले हौले से सहलाता रहता। **(कोई भी तीन)**
26	जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम के पोता थे । वे एक आडंबरहीन व्यक्ति थे। सभी ऐशो आरामवाली चीज़ों से दूर रहा करते थे। जैनुलाबदीन की दिनचर्या पौ फटने से पहले सुबह चार बजे नमाज़ पढ़ने के साथ शुरु हो जाती थी। नमाज़ के बाद वे अपने नारियल के बाग जाया करते और लौटते समय करीब दर्जन भर नारियल कंधे पर लिए आते थे, उसके बाद ही उनका नाश्त होता था।
27	सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह ला खाड़ा कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं। जैसे- फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर, लिंकडइन आदि। इन साइटों के कारण देश-विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेष-भुषा, खान-पान के अलावा कला तथा संस्कृति का प्रभाव शिघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।
28	एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने फावड़े से बर्फ की खुदाई कर पहले अपने-आप को सुरक्षित रुप से स्थिर किया। इसके बाद अपने घुटनों के बल बैठी। बर्फ पर अपने माथे को लगाकर सागरमाता के ताज का चुंबन किया। हनुमान चलीसा और दुर्गा माता का चित्र निकालकर लाल कपड़े में लपेटा और छोटी सी पूजा करके बर्फ में दबा दिया।
29	कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है। पश्चीम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत के दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चीमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान हैं।
30	मातृभूमि के खेत हरे-भरे हैं और सुंदर हैं। वन-उपवन फल-फूलों से भरे हुए हैं। मातृभूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है। भारत माँ सुख-संपत्ति, धन-धाम को मुक्त हस्त से बाँट रही है।
31	समय अनमोल है और बहुत उपयोगी है। समय को जो अपना सच्चा साथी बना लेगा, वह अपने काम में सफल होगा। इसलिए काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जाने नही देना चाहिए। ऐसा समय फिर कभी नहीं मिलेगा। समय खोकर आगे बहुत पछताना पड़ेगा। अत: समय का सदुपयोग कीजिए।
32	प्रस्तुत पंक्तियों को तुलसीदास द्वारा रचित तुलसी के दोहे से लिया गया है। प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं कि, जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी प्रकार राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुध्दि होती है।

33	ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ಬಹಳ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿದೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಕರ್ನಾಟಕವನ್ನು ಶ್ರೀಗಂಧದ ಗುಡಿ (ಶ್ರೀಗಂಧದ ನಾಡು) ಎಂದು ಕರೆಯುತ್ತಾರೆ. ಇದರಿಂದ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಎಣ್ಣೆ, ಸಾಬೂನ ಹಾಗೂ ಕಲಾಕೃತಿಗಳನ್ನು ತಯಾರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ.
34	बसंत एक ईमानदार लड़का है, क्योंकि वह छलनी, बटन और दियासलाई बेचकर मेहनत कर के पेट पालता है। छलनी बेचे बिना पैसे लेना वह भीख समझाता है। घायल स्तिथि में भी वह होश आने पर पं.राजकिशोर के पैसे अपने भाई प्रताप के हाथों लौटाता है। जब पं. राजकिशोरचिकित्सा के लिए अस्पताल ले जाने लगते हैं तो कहता है मैं गरीब हूँ। इतने पैसे मेरे पास नहीं हैं। इससे हम कह सकते हैं कि बसंत एक ईमानदार लड़का है। **अथवा** पं.राजकिशोर एक मानवीय व्यवहारवाले व्यक्ती हैं क्योंकि बसंत की हालत सुनकर वे छलनी खरीदने के लिए तैयार हो जाते हैं। जब प्रताप के जरिए बसंत की दुर्घटना के बारे में सुनते हैं, तो मदद के लिए निकल पड़ते हैं। डॉक्टर को भी लेकर आने के लिए अपने नौकर से कहते हैं। बसंत को आगे की चिकित्सा के लिए अस्पताल ले जाने के लिए भी तैयार होते हैं।
35	असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो। जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम, संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।
36	क) आज जन-जीवन की गंभीर समस्या पर्यावरण-प्रदूषण है } ख) आधुनिक भौतिक विज्ञान एवं विचारों के बढ़ते दुष्प्रभाव से हमारा सारा पर्यावरण दूषित ही नहीं, विषाक्त भी हो गया है। ग) जीवन के लिए मुख्याधार प्राण्वायु प्रदूषण के राजरोग से ग्रस्त हो रहा है, प्राणिमात्र का अस्तित्व संकट में पड़ा है। घ) पर्यावरण-संरक्षण में वृक्ष आवश्यक प्राणवायु का संप्रसार करते हैं, और जलवृष्टि में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।
37	<u>विज्ञान का चमत्कार- इंटरनेट</u> <u>प्रस्तावाना</u> : आज का युग इंटरनेट युग है।। इसकी वजह से पुरे विश्व का विस्तार एक गाँव सा हो गया है। इनसानी सोच का दायरा बढ़ गया है। इनसान के लिए खान-पान जितना ज़रूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक है। <u>अर्थ :</u> इंटरनेट अनगिनत कंप्युटरों के कई अंतरजालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है। इसकी वजह से पुरे विश्व का विस्तार एक गाँव सा हो गया है। इनसानी सोच का दायरा बढ़ गया है। इनसान के लिए खान-पान जितना ज़रूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक है।

लाभ : जिवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है । इसके द्वारा पल भर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकीन हो गया है इंटरनेट द्वारा हम घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं । इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया के किसी भी जगह चाहे जितनी रकम भेज सकते हैं । वीडियो कान्फरेन्स द्वारा विभिन्न देश के 8-10 प्रतोनिधियों के साथ एक साथ एक कमरे बैठकर विचार विनमय कर सकते हैं आई.टी. और आई. टी. ई. एस्. संस्थाओं से कई लोगों कूजगार मिला है । प्रशासन पारदर्शी बन सकता है ।

इंटरनेट के उपयोग में सतर्कता : इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग आदि बढ़ रही है। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नही बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं। इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासील कर रहे हैं । इसलिए हम लोगों को इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए ।

उपसंहार : वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव-जीवन को सुविधाजनक बनाया है । इंटरनेट से मानव जीवनशैली और उसकी सोच में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है । जिवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है । इंटरनेट वरदान है तो अभिशाप भी है ।

38

प्रेषक,
अ ब क
सरकारी हैस्कूल बेलगांवी
591201

सेवा में,
प्रधानाध्यापक,
सरकारी हैस्कूल बेलगांवी

महोदय,

विषय: चार दिन की छुट्टी के लिए विनती पत्र ।

उपर्युक्त विषय के संबंध में आप से निवेदन है कि हमारे घर में बड़े भाई की शादी दिनांक 05/01/2022 को होनेवाली है । इसलिए आप मुझे दिनांक 04/01/2022 से 07/01/2022 तक चार दिन की छुट्टी प्रदान करें ।

धन्यवाद

स्थान : बेलगांवी — आपका/की आज्ञाकारी छात्र/छात्रा
दिनांक: 03/01/2022 — अ ब क

अथवा

प्रेषक,
अ ब क
सरकारी हैस्कूल बेलगांवी
591201

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम, आपके आशिर्वाद से मैं यहाँ कुशल हूँ। आशा करता/ती हूँ आप भी कुशल होंगे। मेरी पढ़ाई भी अच्छी तरह से चल रही है। अगले महीने में हमारे पाठशाला में शैक्षिक प्रवास का आयोजन किया गया है। मैं भी जाना चाहता/ती हूँ। इसलिए आप मुझे जाने की आज्ञा देते हुए 2000 रुपाए भेजने की कृपा करें।

आप का प्रिय पुत्र/पुत्री
अ ब क

सेवा में,
क ख ग
तीसरा क्रॉस
विध्यानगर हुक्केरी